चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 06 जनवरी 2026, अंक –185

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

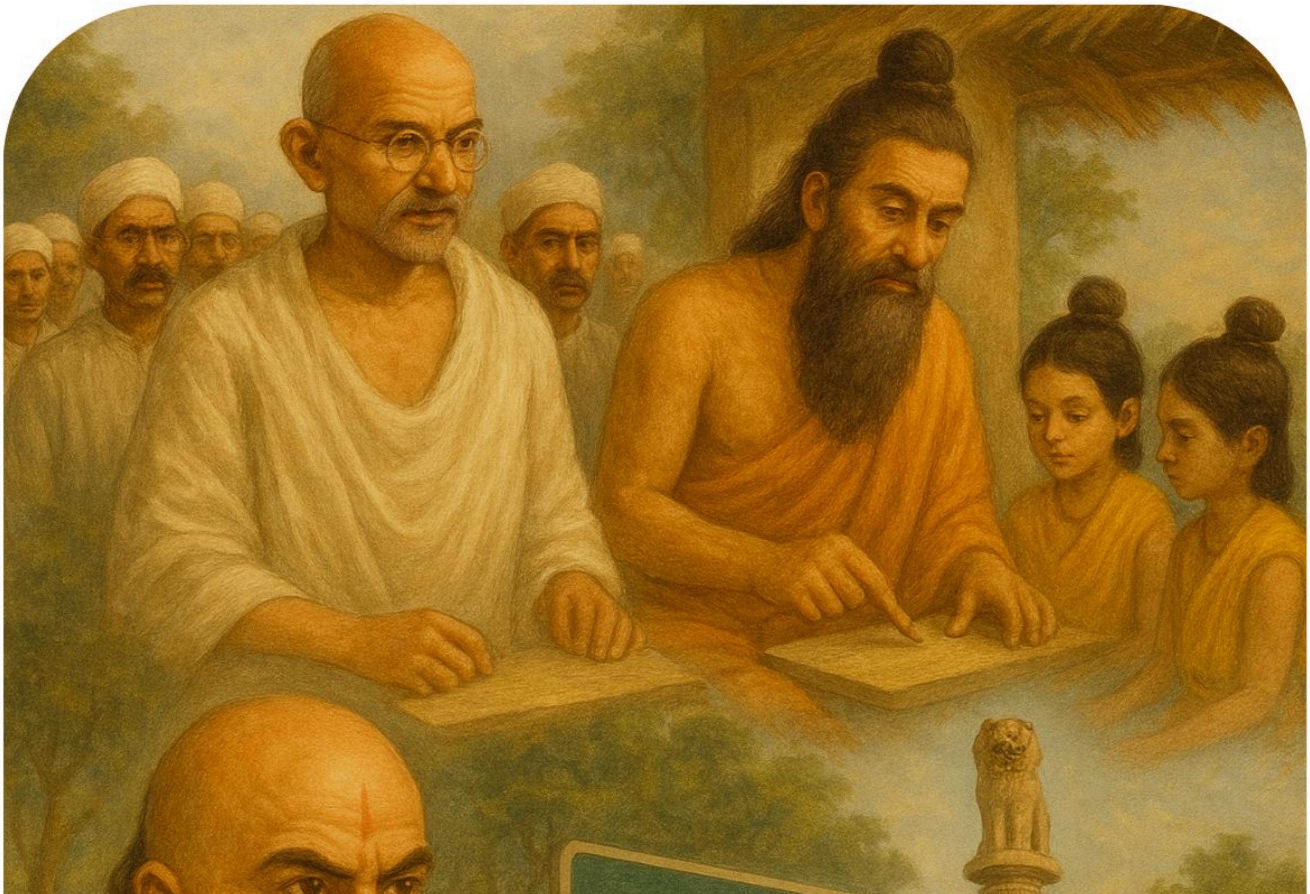

"छोटी शुरुआत भी बड़े परिणाम ला सकती है।"
— लाओ त्सू

एक प्रयास

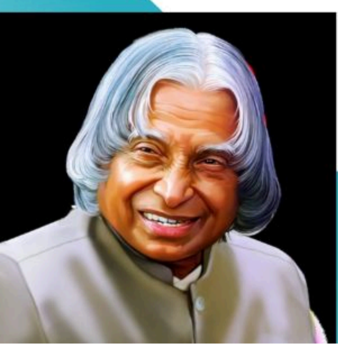

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Tuesday Prayer

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।
तेरी रंगभूमि, यह विश्व भरा,
सब खेल में, मेल में तू ही तो है॥

सागर से उठा बादल बनके,
बादल से फटा जल हो करके।
फिर नहर बनी नदियाँ गहरी,
तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

चींटी से अणु-परमाणु बना,
सब जीव-जगत् का रूप लिया।
कहीं पर्वत-वृक्ष विशाल बना,
सौंदर्य तेरा, तू एक ही है ॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़िया कहे कोई न और दिखा,
बस मैं अरु तू सब एकही है॥

हर देश में तू, हर भेष में तू,
तेरे नाम अनेक तू एक ही है....
....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्।
वंदे मातरम् !
शुभ्रज्योत्स्नां पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्।।
वन्दे मातरम्।

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

<u>अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:</u>
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न: 1. जनवरी महीने में कितने दिन होते हैं?
उत्तर: 31
प्रश्न: 2. फरवरी महीने में सामान्यतः कितने दिन होते हैं?
उत्तर: 28
प्रश्न: 3. लीप वर्ष में फरवरी में कितने दिन होते हैं?
उत्तर: 29
प्रश्न: 4. मानव शरीर में कितनी ज्ञानेंद्रियाँ होती हैं?
उत्तर: पाँच (आँख, नाक, कान, जीभ और त्वचा)
प्रश्न: 5. मानव शरीर में कितनी हड्डियाँ होती हैं?
उत्तर: 206
प्रश्न: 6. हृदय का मुख्य कार्य क्या है?
उत्तर: रक्त पंप करना
प्रश्न: 7. दिमाग हमारे शरीर का कौन सा अंग है?
उत्तर: नियंत्रण अंग
प्रश्न: 8. दाँत किस काम आते हैं?
उत्तर: भोजन चबाने के लिए
प्रश्न: 9. पौधों के मुख्य अंग कौन कौन से हैं?
उत्तर: जड़, तना, फूल, पत्ती, फल, और बीज
प्रश्न: 10. हमें साँस लेने के लिए कौन-सी गैस चाहिए?
उत्तर: ऑक्सीजन

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Birthday - (बर्थडे) - जन्मदिन
2. Holiday - (हॉलिडे) - छुट्टी
3. Festival - (फेस्टिवल) - त्योहार
4. Picnic - (पिकनिक) - वनभोज
5. Fair - (फेयर) - मेला
6. Game - (गेम) - खेल
7. Sports - (स्पोर्ट्स) - खेलकूद

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोईती
बगहा-2, प. चम्पारण

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 6 जनवरी को कौन-सा अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (दिवस-विशेष)
उत्तर: युद्ध अनाथ दिवस
व्याख्या: 6 जनवरी को World Day of War Orphans मनाया जाता है। यह दिवस युद्धों के कारण अनाथ हुए बच्चों की स्थिति पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करता है और उनके संरक्षण, शिक्षा व पुनर्वास के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग का आह्वान करता है।
संदर्भ: United Nations Observances.

2. 2026 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई "ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी योजना" का प्राथमिक लक्ष्य क्या है? (समसामयिकी)
उत्तर: 50,000 गाँवों में 5G कनेक्टिविटी
व्याख्या: जनवरी 2026 में शुरू की गई ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी योजना का उद्देश्य देश के 50,000 दूरस्थ गाँवों में 5G नेटवर्क की पहुँच सुनिश्चित करना है। इसके तहत डिजिटल सेवा केंद्र, ई-शिक्षा और टेलीमेडिसिन की सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।
संदर्भ: दूरसंचार विभाग, भारत सरकार, जनवरी 2026।

3. "Midnight's Children" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: सलमान रश्दी
व्याख्या: सलमान रश्दी का उपन्यास "Midnight's Children" (1981) को 1981 में बुकर पुरस्कार और 1993 में बुकर ऑफ बुकर्स पुरस्कार मिला। यह उपन्यास भारत के विभाजन और स्वतंत्रता के बाद के इतिहास को जादुई यथार्थवाद के माध्यम से प्रस्तुत करता है।
संदर्भ: Booker Prize Foundation (2026)।

4. "रामसर स्थल" (आर्द्रभूमि) की परिभाषा क्या है? (पर्यावरण)
उत्तर: अंतर्राष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि
व्याख्या: रामसर स्थल वे आर्द्रभूमियाँ हैं जो रामसर कन्वेंशन (1971) के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्व की मानी जाती हैं। इनका चयन जैव विविधता, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और प्रवासी पक्षियों के आवास के आधार पर किया जाता है। भारत में वर्तमान में 75 रामसर स्थल हैं।
संदर्भ: NCERT Class 8 Geography, Ch 2 Land, Soil, Water, Natural Vegetation and Wildlife Resources, p. 21।

5. "शेरशाह सूरी" ने किस प्रसिद्ध सड़क का निर्माण कराया? (इतिहास)
उत्तर: ग्रांड ट्रंक रोड
व्याख्या: शेरशाह सूरी ने 16वीं शताब्दी में सोनारगाँव (बंगाल) से लेकर काबुल (अफगानिस्तान) तक ग्रांड ट्रंक रोड (जी.टी. रोड) का निर्माण कराया, जो व्यापार और संचार का महत्वपूर्ण मार्ग बना। इस सड़क का विकास बाद में ब्रिटिश शासन में भी जारी रहा।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 3 The Delhi Sultans, p. 38।

"सामान्य-ज्ञान"

6. "भारत में जूट उत्पादन" का प्रमुख राज्य कौन सा है? (भूगोल)
उत्तर: पश्चिम बंगाल
व्याख्या: पश्चिम बंगाल भारत का सबसे बड़ा जूट उत्पादक राज्य है, जो देश के कुल जूट उत्पादन का लगभग 70% उत्पादित करता है। गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा क्षेत्र की उपजाऊ मिट्टी और आर्द्र जलवायु जूट की खेती के लिए आदर्श है।
संदर्भ: NCERT Class 10 Geography, Ch 4 Agriculture, p. 40।

7. भारतीय संविधान का "अनुच्छेद 24" किससे संबंधित है? (संविधान)
उत्तर: बाल श्रम का निषेध
व्याख्या: अनुच्छेद 24 कहता है कि "14 वर्ष से कम आयु के किसी बच्चे को किसी कारखाने या खान में काम पर नहीं लगाया जाएगा या किसी अन्य जोखिम भरे रोजगार में नहीं लगाया जाएगा।" यह प्रावधान बच्चों के अधिकारों की रक्षा करता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Political Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 31।

8. "विद्युत चुंबकीय प्रेरण" का सिद्धांत किसने प्रतिपादित किया? (विज्ञान)
उत्तर: माइकल फैराडे
व्याख्या: माइकल फैराडे ने 1831 में विद्युत चुंबकीय प्रेरण का सिद्धांत प्रतिपादित किया, जिसके अनुसार चुंबकीय क्षेत्र में परिवर्तन से विद्युत धारा प्रेरित होती है। यह सिद्धांत जनरेटर, ट्रांसफार्मर आदि विद्युत उपकरणों का आधार है।
संदर्भ: NCERT Class 10 Science, Ch 13 Magnetic Effects of Electric Current, p. 228।

9. मोहिनीअट्टम नृत्य किस राज्य से संबंधित है? (कला एवं संस्कृति | NCERT)
उत्तर: केरल
व्याख्या: मोहिनीअट्टम केरल की शास्त्रीय नृत्य शैली है, जो कोमल मुद्राओं और लयबद्ध गतियों के लिए जानी जाती है। इसका संबंध विष्णु के मोहिनी रूप से माना जाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 7, इतिहास, अध्याय 9 The Making of Regional Cultures, पृ. 122.

10. बिहार में "गोपालगंज जिला" किस नदी के किनारे स्थित है? (बिहार GK)
उत्तर: गंडक नदी
व्याख्या: गोपालगंज जिला बिहार के उत्तर-पश्चिमी भाग में गंडक नदी के किनारे स्थित है। यह जिला कृषि प्रधान है और ऐतिहासिक रूप से भगवान बुद्ध के समय के गणराज्यों में से एक 'कोलीय' का हिस्सा था।
संदर्भ: Bihar Board Class 9 Social Science, Ch 5 Physical Features of Bihar, p. 41।

"सामान्य-ज्ञान"

11. "स्कूल सेफ्टी प्लान" में "फर्स्ट एड बॉक्स" में कौन सी आवश्यक वस्तु शामिल होनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: स्टराइल गॉज और एंटीसेप्टिक दवा
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अनुसार, प्रत्येक विद्यालय के फर्स्ट एड बॉक्स में बाँधने के लिए स्टराइल गॉज (बंधन पट्टी), एंटीसेप्टिक दवा (बीटाडीन/डेटॉल), कैंची, चिमटी और पट्टियाँ अवश्य होनी चाहिए। यह आपातकालीन चिकित्सा सहायता के लिए आवश्यक है।
संदर्भ: Bihar SDMA स्कूल सुरक्षा दिशानिर्देश 2025, अध्याय 5, पृष्ठ 19।

12. एक नाव धारा के प्रतिकूल 12 किमी जाने में 3 घंटे लेती है और धारा के अनुकूल 18 किमी जाने में 3 घंटे लेती है। शांत जल में नाव की गति कितनी है? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: 5 किमी/घंटा
व्याख्या: माना नाव की शांत जल में गति = x किमी/घंटा, धारा की गति = y किमी/घंटा,
धारा के प्रतिकूल गति = (x - y), धारा के अनुकूल गति = (x + y)
प्रश्नानुसार:, 12/(x - y) = 3 ⇒ x - y = 4 ...(1), 18/(x + y) = 3 ⇒ x + y = 6 ...(2),
समीकरण (1) और (2) को जोड़ने पर:- 2x = 10 ⇒ x = 5 किमी/घंटा
संदर्भ: Quantitative Aptitude for Competitive Exams, R. S. Agarwal

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Gallantry (गैलेंट्री) = Courage (करेज) - वीरता, साहस

2. Dread (ड्रेड) = Terror (टेरर) - भय, आतंक

3. Splendid (स्प्लेंडिड) = Glorious (ग्लोरियस) - शानदार, गौरवशाली
4. Modest (मॉडेस्ट) = Humble (हम्बल) - साधारण, विनम्र

5. Delicate (डेलिकेट) = Fragile (फ्रैजाइल) - नाजुक, कमजोर
४/३५

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 N.G.Y. उच्च विद्यालय
वाल्मिकीनगर , बगहा-2 , प. चम्पारण ।

NATIONAL NEWS

1. DRDO achieves breakthrough in hypersonic missile technology with successful test.
डीआरडीओ ने हाइपरसोनिक मिसाइल प्रौद्योगिकी में सफल परीक्षण के साथ सफलता हासिल की।

2. NCERT releases new research paper on AI integration in school science education.
एनसीईआरटी ने स्कूल विज्ञान शिक्षा में एआई एकीकरण पर नया अनुसंधान पत्र जारी किया।

3. Government announces National Science Day awards for young researchers 2026.
सरकार ने युवा अनुसंधानकर्ताओं के लिए 2026 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पुरस्कार घोषित किए।

INTERNATIONAL NEWS

4. BBC: WHO launches global research fund for pandemic preparedness science.
बीबीसी: डब्ल्यूएचओ ने महामारी तैयारी विज्ञान के लिए वैश्विक अनुसंधान कोष लॉन्च किया।

5. US-India joint research initiative awarded for climate science collaboration.
यूएस-भारत संयुक्त अनुसंधान पहल को जलवायु विज्ञान सहयोग के लिए पुरस्कार मिला।

6. EU recognises Indo-French biotech research with Horizon Europe grant.
ईयू ने इंडो-फ्रेंच बायोटेक अनुसंधान को होराइजन यूरोप अनुदान से मान्यता दी।

BIHAR NEWS

7. Bihar SCERT organises state-level science fair awarding 500 student projects.
बिहार एससीईआरटी ने 500 छात्र परियोजनाओं को पुरस्कृत करते राज्य-स्तरीय विज्ञान मेला आयोजित किया।

8. Patna University launches NCERT-aligned research centre for education technology.
पटना विश्वविद्यालय ने शिक्षा प्रौद्योगिकी के लिए एनसीईआरटी-अनुरूप अनुसंधान केंद्र लॉन्च किया।

SPORTS NEWS

9. BCCI honours Arjuna awardees for contributions to sports science in cricket.
बीसीसीआई ने क्रिकेट में खेल विज्ञान योगदान के लिए अर्जुन पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया।

10. Indian women's hockey team receives research grant for performance analytics.
भारतीय महिला हॉकी टीम को प्रदर्शन विश्लेषण के लिए अनुसंधान अनुदान मिला।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

अनुभाग-6

प्रेरक निबंध

“ब्रेल लिपि: अंधकार में ज्ञान की रोशनी”

दुनिया में ज्ञान प्राप्त करने के अनेक साधन हैं, लेकिन नेत्रहीन लोगों के लिए ब्रेल लिपि किसी वरदान से कम नहीं है। ब्रेल लिपि उभरे हुए बिंदुओं से बनी होती है, जिन्हें स्पर्श करके पढ़ा जाता है। यह लिपि साबित करती है कि आँखें न हों, तो भी सीखने की इच्छा और आत्मविश्वास इंसान को आगे बढ़ा सकता है।

ब्रेल लिपि का आविष्कार लुई ब्रेल ने किया था। वे स्वयं दृष्टिबाधित थे। उन्होंने अपने अनुभव से समझा कि नेत्रहीन बच्चों को पढ़ने-लिखने में कितनी कठिनाई होती है। इसी पीड़ा से उन्होंने एक ऐसी लिपि बनाई, जिससे लाखों नेत्रहीन लोग शिक्षा, ज्ञान और आत्मनिर्भरता की राह पर चल सके।

ब्रेल लिपि के माध्यम से नेत्रहीन बच्चे किताबें पढ़ते हैं, परीक्षा देते हैं, संगीत सीखते हैं और आज डॉक्टर, शिक्षक, लेखक और अधिकारी तक बन रहे हैं। यह लिपि उन्हें केवल अक्षर नहीं सिखाती, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मविश्वास भी देती है।

ब्रेल लिपि हमें यह प्रेरणा देती है कि कमजोरी कोई अभिशाप नहीं होती। सही अवसर, मेहनत और हौसले से हर बाधा को पार किया जा सकता है। यह हमें संवेदनशील बनाती है और सिखाती है कि समाज में सभी को समान सम्मान और अवसर मिलने चाहिए।

हम सभी बच्चों को चाहिए कि हम नेत्रहीन साथियों की मदद करें, उनकी क्षमताओं को समझें और उनका सम्मान करें। ब्रेल लिपि हमें सिखाती है कि असली रोशनी आँखों में नहीं, बल्कि ज्ञान और हिम्मत में होती है।

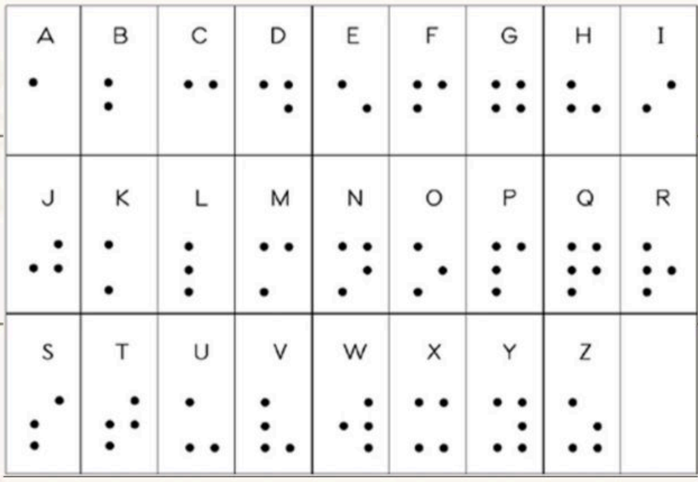

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

पाठक पृष्ठ

छोटी शुरुआत का जादू

प्राचीन काल में हिमालय की तलहटी के एक छोटे से गाँव में एक बूढ़ा किसान रहता था, जिसका नाम था अर्जुन। उसका खेत सूखी पहाड़ी पर था, जहाँ मिट्टी पथरीली और पानी कम था। गाँव वाले कहते, “अर्जुन दादाजी, वहाँ कुछ नहीं उगेगा।”एक दिन अर्जुन ने सोचा, “बड़ी शुरुआत का इंतज़ार करने से बेहतर है छोटी शुरुआत करूँ।” उसने खेत के एक कोने में एक छोटा-सा बाँस का पौधा लगा दिया। पौधा इतना नन्हा था कि बच्चे हँसते, “दादाजी, ये तो खिलौना है!”अर्जुन रोज़ सुबह उसे पानी देते, घास साफ़ करते और प्यार से बातें करते। बाँस की खासियत जानते थे वे—पहले कई साल तक जड़ें गहराई में फैलती हैं, ऊपर कुछ नहीं दिखता। गाँव वाले उन्हें पागल कहने लगे। चार साल बीत गए, पौधा वैसा का वैसा रहा।फिर पाँचवें साल एक सुबह चमत्कार हुआ। रातोंरात कोपलें फूट पड़ीं और बाँस रोज़ छह इंच से ज़्यादा बढ़ने लगा। हफ़्तों में वह तीस फुट ऊँचा हो गया। जड़ों ने मिट्टी को मज़बूत कर लिया, नमी रोक ली। अर्जुन ने बाँसों के बीच चावल, सब्ज़ियाँ और फल लगाए। बंजर खेत हरा-भरा हो उठा।गाँव वाले हैरान होकर आए, “दादाजी, ये कैसे हुआ?”अर्जुन मुस्कुराए, “बस एक छोटी शुरुआत की थी। चार साल कुछ नहीं दिखा क्योंकि जड़ें मज़बूत हो रही थीं। जब जड़ें तैयार हुईं, विकास रुक नहीं सका। जीवन भी ऐसा ही है—छोटे रोज़ के प्रयास एक दिन बड़े परिणाम लाते हैं।”बच्चों ने सीख लिया: छोटी शुरुआत को कभी छोटा मत समझो। एक बीज, एक अच्छी आदत—ये बड़े सपनों को सच कर सकते हैं।

सीख: छोटी शुरुआत भी बड़े परिणाम ला सकती है—बस धैर्य और निरंतरता चाहिए।

..................✍️
पूर्णेन्दु कुमार सत्यार्थी
प्रधानाध्यापक
रा.उ.म.वि. बांसगांव
बगहा 2, प. चम्पारण।

अगर आप भी अपनी रचनाओं के लिए "चम्पारण-ज्ञानाग्रह" में जगह चाहते हैं तो अपनी रचनाओं को अपने नाम, पता और फ़ोटो के साथ इस न. पर व्हॉट्सएप करें।
9939671700//9798660088//9473329076//9576503100
आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

मेरा विद्यालय, मेरी प्रतिष्ठा
झलकियां

श्री अरविन्द कुमार साहनी
(प्रभारी प्रधानाध्यापक)
रा.उ.म.वि. गोबरहिया
बगहा-2,प.चंपारण।

अगर आप भी अपने विद्यालय के सुंदर फ़ोटो के लिए "चम्पारण-ज्ञनाग्रह" में जगह चाहते हैं तो अपने नाम, पता और फ़ोटो के साथ इस न. पर व्हॉट्सएप करें।
9939671700//9798660088//9473329076//9576503100

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱- 9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org